## विषय– संस्कृत

### (कक्षा–9)

**कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक् विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–**

**संस्कृत गद्य भारती–**

1– पर्यावरणशुद्धिः।
2– अन्तरिक्षं विज्ञानम्।

**संस्कृत पद्य पीयूषम्–**

1– सुभाषितानि।
2– अन्योक्ति–मौक्तिकानि।
3– क्रियाकारक–कुतूहलम्।
4– यक्षयुधिष्ठिरसंलापः।
5– आरोग्यसाधनानि।

**कथा नाटक कौमुदी–**

1– वत्सराजनिग्रहः।
2– न गङ्गदत्तः पुनरेति कूपम्।
3– शकुन्तलायाः पतिगृहगमनम्।

**व्याकरण–**

स्वर सन्धि– वृद्धिरेचि, एचोऽयवायावः।
व्यंजन सन्धि– झलां जशोन्ते, ष्टुना ष्टुः।
नपुंसक लिंग– सर्व, तद्, युष्मद, अस्मद्।
धातुरूप– आत्मनेपद, उभयपद (पूरा हटाया गया)
समास– कर्मधारय।

**उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–**

**विषय–संस्कृत**

**कक्षा–IX**

**एक प्रश्न-पत्र 70 अंकों का तथा समय 03 घण्टे होगा।**

इस विषय में 70 अंकों की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न-पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का भी उल्लेख होगा तथा उसके उत्तर के रूप में तीन या चार उत्तर प्रश्न-पत्र में अंकित होंगे। उनमें से एक शुद्ध उत्तर होगा। उसका उल्लेख पुस्तिका में छात्र को अंकित करना होगा तथा उनका अंक विभाजन निम्नवत् होगा-

**खण्ड 'क' (गद्य, पद्य तथा आशुपाठ)** **35 अंक**

**गद्य**

| | |
|---|---|
| 1-गद्य का हिन्दी में ससन्दर्भ अनुवाद | 2+5=7 अंक |
| 2-पाठ सारांश | 4 अंक |

**पद्य**

| | |
|---|---|
| 1-पद्य की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या | 2+5=7 अंक |
| 2-सूक्तियों की ससंदर्भ व्याख्या | 1+2=3 अंक |
| 3-श्लोक का संस्कृत में अर्थ | 5 अंक |

**आशुपाठ-**

| | |
|---|---|
| 1-पात्रों का चरित्र-चित्रण (हिन्दी में) | 4 अंक |
| 2-लघु उत्तरीय प्रश्न (संस्कृत में) | 5 अंक |

**खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद, रचना)** **35 अंक**

**व्याकरण-**

1-माहेश्वर सूत्रों के आधार पर स्वर एवं व्यंजन का सामान्य ज्ञान तथा स्वर एवं व्यंजन का सामान्य परिचय। 3 अंक

2-संधि- 3 अंक

1-स्वर संधि- अकःसवर्णे दीर्घः , आद्गुणः, इकोयणचि।

2-व्यंजन संधि- स्तोः श्चुना श्चुः।

3-शब्द रूप 03 अंक

पुंलिङ्ग-राम, हरि, गुरु।

स्त्रीलिङ्ग-रमा, मति, वाच्।

1 से 10 तक के संख्या शब्दों का ज्ञान।

4-धातुरूप- (लट्, लृट, लोट्, लङ्, तथा विधिलिङ् लकारो में)- 03 अंक

परस्मैपद-पठ्, गम्, अस्, शक्, प्रच्छ्।

5-समास—समास की सामान्य परिभाषा एवं विग्रह सहित उदाहरण- 03 अंक

तत्पुरुष, द्वन्द्व।

6-कारक-समस्त कारकों एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय। 03 अंक

7-उपसर्ग का सामान्य परिचय। 02 अंक

**अनुवाद-**

हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। 06 अंक

**रचना-**

| | |
|---|---|
| 1-पत्रलेखन। | 05 अंक |
| 2-संस्कृत शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग। | 04 अंक |

**निर्धारित पाठ्य पुस्तकें-**

निम्नलिखित पाठ्य-पुस्तकों के सम्मुख अंकित पाठ्यवस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश/पाठ का अध्ययन करना होगा)

**संस्कृत गद्य भारती-**

संस्कृत गद्य साहित्य का विकास
माङ्गलिकम्।
1-अस्माकं राष्ट्रियप्रतीकानि।
2-आदिकविः बाल्मीकिः।
3-बंधुत्वस्य सन्देष्टा रविदासः।
4-आजादः चन्द्रशेखरः।
5-भारतवर्षम्।
6-परमवीरः अब्दुलहमीदः।
7-पुण्यसलिला गङ्गा।
8- भारतीयसंविधानस्य निर्माता डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकरः।

**संस्कृत पद्य पीयूषम्-**

मंगलाचरणम्।
1-रामस्य पितृभक्ति।
2-भारतदेशः
3-नारी-महिमा।
4-नीतिनवनीतम्।

**परिशिष्ट (टिप्पणी एवं पाठ सारांश)**

**कथा नाटक कौमुदी-**

1-गार्गीयाज्ञवल्क्यसंवादः।

**संस्कृत व्याकरण-**

1-माहेश्वर सूत्र एवं वर्णों का उच्चारण स्थान।
2-सन्धि--स्वर एवं व्यंजन सन्धियों का परिचय।
3-समास।
तत्पुरुष, द्वन्द्व।
4-कारक एवं विभक्ति।
5-अनुवाद।
1-सामान्य नियमों सहित अभ्यास।
2-कारक एवं विभक्ति ज्ञान।
3-अनुवाद अभ्यास।
6-अव्यय।
7-उपसर्ग।
8-शब्दरूप ।
संज्ञा के रूप।
9-धातुरूप-
परस्मैपद धातुओं के रूप।
10-संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग।
11-संस्कृतवाक्यशुद्धि।
12-संस्कृत में आवेदन-पत्र तथा निमंत्रण-पत्र।

**आन्तरिक मूल्यांकन-** **अंक 30**

**शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में- (अन्तिम सप्ताह में)**

प्रथम- अंक 10- वाचन (वाद-विवाद, भाषण, विचाराभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय- अंक 10 - (व्याकरण सम्बन्धी)
तृतीय- अंक 10-सृजनात्मक (नाटक, कहानी, अभिव्यक्ति पत्र लेखन, आदि)